

रंध पुं. (तत्.) 1. छेद, सुराख, भग 2. दोष 3. लाक्ष. दुर्बल या कमजोर स्थान जिस पर हमला आसान हो ज्यो. लग्न में आठवाँ भाव।

रंधकोशिका स्त्री. (तत्.) ऐसी कोशिका जिसमें मुख या विवर जैसा छिद्र हो जो आवश्यक वायु के आवागमन के मार्ग के रूप में काम करे।

रंधपद पुं. (तत्.) कवच या कठोर खोल से ढके ऐसे प्रायः जलीय जीव जैसे- घोंघा, सीप आदि जिनके पीछे के भाग में पैरों के स्थान पर विवर अथवा मुख के समान कार्य करने वाले अंग होते हैं।

रंधमापी पुं. (तत्.) पत्तियों में श्वसन या हवा के आने जाने तथा उसके अवशोषण के लिए अत्यंत छोटे-छोटे छिद्रों वाले क्षेत्र के कितने भाग से कितनी वायु आती जाती है उसे मापने का यंत्र।

रंभ पुं. (तत्.) 1. बहुत जोर का या भारी शब्द, गर्जन 2. बाँस।

रंभजन पुं. (तत्.) पेड़-पौधों के तने, जड़ पत्तियों आदि में वह केंद्रीय स्थान जहाँ से कोशिकाओं का विभाजन, पुनर्विभाजन आदि की प्रक्रिया आरंभ होकर अनवरत चलती रहती है।

रंभण पुं. (तत्.) 1. रँभाना जैसे- गाय का रंभण 2. आलिंगन, गले लगाना।

रंभा स्त्री. (तत्.) 1. कदली, केला, रंभाफल, केले का पेड़ 2. पार्वती 3. स्वर्ग की अप्सराओं में एक प्रसिद्ध अप्सरा 4. वेश्या पुं. गड़्ढा खोदने में प्रयुक्त लोहे का सब्बल नाम का औजार।

रँगना स.क्रि. (तद्.) 1. ऐसी क्रिया जिससे कोई वस्तु रंगीन हो 2. किसी को अपने प्रभाव से युक्त करना 3. बहुत अधिक लिखना जैसे- पन्ने रँगना।

रँगवाना स.क्रि. (तत्.) 1. किसी से (कपड़े आदि) रंगवाने की क्रिया करवाना 2. रँगने का काम कराना।

रँगरूट पुं. (तत्.+अं.) 1. अभी हाल में पुलिस या सेना में भर्ती हुआ नवयुवक 2. लाक्ष. नया

प्रशिक्षणार्थी या अनाड़ी युवक 3. किसी जिम्मेदारी के काम में या नौकरी में नया भर्ती हुआ, नौसिखिया।

रँगरेज वि.पुं. (फा.) 1. लोगों के वस्त्रों को रंगकर जीविका वृत्ति चलाने वाला 2. कपड़ों के रंगने का व्यवसाय करने वाला व्यक्ति स्त्री. रंगरेजिन।

रँगरेली स्त्री. (तद्.) रंगरेलियाँ 1. आनंद, मौजमस्ती, विलास 2. मौजमस्ती की क्रीड़ा मुहा. रंगरेलियाँ मनाना-विलास क्रीड़ाएँ करना, मौजमस्ती मनाना।

रँगवाई स्त्री. (तद्.) 1. कपड़ों के रंगने का काम या भाव 2. कपड़ों के रंगने की मजदूरी, पारिश्रमिक।

रँगई स्त्री. (तद्.) किसी वस्तु को रँगने का कार्य या भाव, रँगने की मजदूरी।

रँगाना स.क्रि. (तद्.) 1. रंगने का काम किसी अन्य से कराना 2. रँगवाना।

रँगवट स्त्री. (तद्.) रँगने की क्रिया या भाव।

रँगीला वि. (तद्.) 1. मौज-मस्ती में रहने वाला, मौजी 2. प्रेमी, रसिक, रंगीन 3. सुंदर।

रँडापा पुं. (देश.) किसी स्त्री की विधवा होने की दशा, वैधव्य।

रँडुआ पुं. (देश.) वह पुरुष जिसकी पत्नी जीवित न हो।

रँदना स.क्रि. (तत्.) 1. लकड़ी को चिकना एवं सम करने के लिए बढ़ई द्वारा उस पर रंदा फेरना या चलाना 2. रंदे से लकड़ी की सतह को चिकना बनाना।

रँभाना अ.क्रि. (देश.) गाय का शब्द या ध्वनि उत्पन्न करना, गाय का बोलना स.क्रि. गाय को बोलने के लिए उकसाना।

रँहचटा पुं. (देश.) 1. रहचटा, वह व्यक्ति जिसे किसी दक्ष या सुख की चाट लगी हो; रस व्यसनी व्यक्ति 2. प्रेम की चाह 3. चाट, चस्का 4. लोभ, लालच 5. अभिलाषा पूरी होने की कामना 6. लिप्सा।